बृहस्पतिवार
10 मार्च 2022

पृष्ठ 4

घरेलू उपाय से पाएं दांतो व मसूड़ों के दर्द से छुटकारा

पृष्ठ 5

नूरानी चेहरा से फिल्मी करियर शुरु करने जा रही हैं नुपुर सैनन

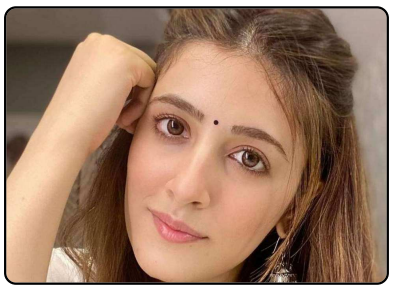

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 45
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

मुठ्ठी भर संकल्पवान लोग जिनकी अपने लक्ष्य में दृढ़ आस्था है, इतिहास की धारा को बदल सकते हैं।

– महात्मा गांधी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मोदी लहर के आगे सब बेबस

विशेष संवाददाता

देहरादून। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जादू अभी भी बरकरार है। आज आए चुनावी नतीजों में जहां भाजपा ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में प्रचंड बहुमत के साथ जीत दर्ज की है वही मणिपुर और गोवा में भी भाजपा अपनी सरकार बनाने में कामयाब रही है। वही आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर दिल्ली की तर्ज पर पंजाब में चमत्कारिक प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड बहुमत के साथ जीत दर्ज करने में सफलता हासिल की है।

जिन पांच राज्यों में चुनाव हुए थे उनमें उत्तर प्रदेश का चुनाव सबसे अहम माना जा रहा था। यूपी की 403 सीटों वाली विधानसभा में भले ही भाजपा

●उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड में फिर प्रचंड बहुमत
●मणिपुर और गोवा की सत्ता पर भी भाजपा का कब्जा
●आप के झाड़ू ने पंजाब में सबका किया सूपड़ा सापफ

2017 के मुकाबले कम सीटें जीत सकी हो लेकिन बहुमत के लिए जरूरी 202 से 50 से भी अधिक सीटें जीत कर सत्ता पर बरकरार रही है। समाजवादी पार्टी जिसने इस चुनाव में छोटे और क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन कर सत्ता में आने का ताना-बाना बुना था वह 150 का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकी। यही नहीं बसपा और कांग्रेस सहित अन्य तमाम दलों का तो इस बार सूपड़ा ही साफ हो गया है। जिसकी उन्हें सपने में भी उम्मीद नहीं रही होगी।

उत्तराखंड में भले ही भाजपा 2017 के प्रदर्शन को न दोहरा सकी हो और 60 पार का नारा गलत साबित हुआ हो लेकिन एक बार फिर 50 के आसपास पहुंचकर प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में बरकरार रहने में सफल रही है। कांग्रेस जो भाजपा सरकार की विफलताओं और मुख्यमंत्रियों के चेहरे बदले जाने को

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले

❑हरीश रावत 14 हजार से अधिक वोटों से हारे
❑सीएम धामी को कापड़ी ने दी पटखनी

विशेष संवाददाता

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के लिए आज आए चुनाव परिणाम किसी बुरे सपने से कम नहीं है सालों से खुद को मुख्यमंत्री बनाने की जद्दोजहद में उलझे हरीश रावत ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि हरदा कहे जाने वाले हरीश रावत की राजनीतिक पाली हारदा की छाप के साथ समाप्त होगी और उन्हें लाल कुआं सीट से इतनी करारी हार के साथ राजनीति से विदा होना पड़ेगा। इस हार का दर्द उन्हें उम्र भर सालता रहेगा।

आज के चुनाव परिणामों में सिर्फ हरीश रावत की यह हार ही हैरान करने वाली नहीं है। अपने आपको मुख्य सेवक बताने वाले वर्तमान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के लिए यह हार किसी बड़ी दुर्घटना से कम नहीं है। राज्य के युवा नेता और युवा सीएम के चेहरे पर भले ही भाजपा ने दो-दो मुख्यमंत्री बदल कर भी चुनाव जीत लिया हो, लेकिन वह अपनी पारंपरिक सीट खटीमा जहां से वह दो बार चुनाव जीत चुके हैं ऐसे समय में उन्हें हार का मुंह देखना पड़ेगा इसके बारे में उन्होंने शायद कल्पना भी नहीं की होगी। भले ही प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें अलग सीएम का चेहरा बताया हो या उनकी इस हार के बाद भी प्रदेश प्रभारी दुष्यंत, धामी के ही सीएम बनने की बात कह रहे हो लेकिन अब यह बहुत दूर की कौड़ी है। खास बात यह है कि पूर्व सीएम हरीश रावत जहां 2017 में दो-दो सीटों से चुनाव हार गए थे वहीं इस बार वह रिकॉर्ड 14 हजार से अधिक मतों से चुनाव हारे हैं। वही सीएम पुष्कर सिंह धामी भी भारी मतों के अंतर से कांग्रेस के भुवन चंद कापड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल को भी हार का सामना करना पड़ा है। हरीश रावत के लिए थोड़ी राहत की बात यह है कि उनकी पुत्री अनुपमा रावत हरिद्वार ग्रामीण क्षेत्र से चुनाव जीतने में सफल हो गई।

किशोर उपाध्याय, प्रीतम सिंह चुनाव जीते

मुख्यमंत्री के तीनों चेहरे चुनाव हारे

दून वैली मेल

संपादकीय

मोदी लहर पर सवार भाजपा

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों से यह साफ हो गया है कि देश में प्रधानमंत्री मोदी का जादू अभी भी बरकरार है। पांच में से चार राज्यों में भाजपा की सफलता इसका प्रमाण है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में उसकी फिर ध माकेदार वापसी ने यह साबित कर दिया है कि अब विपक्ष उसके आसपास भी नहीं ठहर पा रहा है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी छोटे-छोटे क्षेत्रीय दलों को साथ लेकर भाजपा की योगी सरकार को उखाड़ फेंकना चाहती थी वह 2017 की तरह एक बार फिर अपनी कोशिशों में नाकाम हो गई है। वही उत्तराखंड में भी कांग्रेस के परिवर्तन के दावे गलत साबित हुए हैं। 2017 के चुनाव की तरह भले ही कांग्रेस का प्रदर्शन उतना खराब न रहा हो लेकिन वह अपने प्रदर्शन में कोई ऐसा सुधार भी नहीं ला सकी जिसकी वह उम्मीद लगाए बैठी थी। खास बात यह है कि पूर्व सीएम हरीश रावत जो इस चुनाव को अपने राजनीतिक जीवन की अंतिम पाली के रूप में घोषित कर चुके हैं उनके लिए वर्तमान चुनाव किसी सेट बैक से कम नहीं है। कांग्रेस के उत्तराखंड में चुनाव हारने के साथ ही हरीश रावत का राजनीतिक कैरियर भी समाप्त हो जाएगा जहां तक बात मणिपुर की है वहां भी भाजपा की सरकार का बनना तय है और गोवा में भी भाजपा की सरकार बरकरार रहेगी। आम आदमी पार्टी के लिए यह चुनाव एक बड़ी उपलब्धि के रूप दर्ज हुआ है। अब तक दिल्ली केंद्र शासित राज्य की सत्ता तक सीमित रहने वाली आम आदमी पार्टी ने पंजाब में बड़ा धमाका करते हुए अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों को चारों खाने चित करते हुए दिल्ली से भी बड़ी बंपर जीत दर्ज करने में सफलता हासिल की है। पंजाब में आम आदमी पार्टी जिस बंपर बहुमत के साथ सत्ता में आई है वह इतिहास है। दिल्ली की तरह ही पंजाब में रिकॉर्ड बहुमत के साथ सत्ता में आने वाली आम आदमी पार्टी के लिए यह जीत इसलिए भी अधिक मायने रखती है क्योंकि यह पहला स्वशासित राज्य होगा जहां आम आदमी पार्टी सरकार बनाएगी। समग्र रूप में अगर इन पांच राज्यों के चुनावों को देखा जाए तो यह चुनाव आम आदमी पार्टी के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि साबित हुआ है। भले ही वह उत्तराखंड में कोई करिश्मा न दिखा सकी हो और गोवा में भी उसे कोई बड़ी कामयाबी न मिली हो लेकिन अकेले पंजाब की सफलता के जरिए उसने एक नया इतिहास लिख दिया है। अगर बात कांग्रेस के बारे में की जाए तो इस चुनाव से यही संकेत मिलते हैं कि वह सबसे बड़ी लूजर पार्टी बन चुकी है और अब उसका अस्तित्व दिन-ब-दिन समाप्ति की ओर ही बढ़ रहा है। इस चुनाव में उसके हिस्से में सिर्फ असफलता ही आई है वहीं बसपा का हाल भी कांग्रेस से इतर नहीं है अन्य राज्यों में तो उसका सूर्य पहले ही अस्त हो चुका था लेकिन अब यूपी में भी उसका जनाधार खिसक चुका है। समाजवादी पार्टी भी उत्तर प्रदेश में लगातार दो चुनावों में हार के बाद अब अपने अस्तित्व को बचाने की जंग लड़ती दिखाई दे रही है। इस चुनाव के परिणामों से एक बार फिर यह सिद्ध हो गया है कि देश में अभी भी मोदी का जादू बरकरार है और भाजपा इसी मोदी लहर पर सवार है। भले ही राज्य सरकारों का प्रदर्शन कैसा भी रहे लोग मोदी और योगी के अब साथ खड़े हैं।

चोरी के सामान के साथ पांच महिलाओं सहित छह गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने सेतु निगम के क्रांस ब्रेसिंग चोरी करने के मामले में पांच महिलाओं सहित छह लोगों को गिरफ्तार कर सारा सामान बरामद कर लिया। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय सिंह सहायक अभियंता (सिविल) राज्य सेतु निगम लिमिटेड हरिद्वार द्वारा दी गयी लिखित तहरीर कि राष्ट्रीय राजमार्ग 58 व 72 पर सेतु निगम द्वारा निर्मित एलीफेंट अंडरपास तीनपानी व सांग नदी पर निर्मित सेतु पर स्टील गाडरो मे लगी क्रास ब्रैसिंग व एंगल चोरी होने के संबंध में दी गयी । पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। आज छिद्दरवाला में चौकिंग के दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि सोंग नदी व हाथी पुल के ऊपर व नीचे के कनेक्टिंग एम एस प्लेट व क्रास ब्रेजिंग चोरी करने वाले चोर हाथी पुल से 100 मीटर आगे चोरी के सामान के साथ शायद उसे बेचने जा रहे हैं। पुलिस टीम उक्त स्थान पर पंहुची तो कुछ महिलाओं के आपस में बात करने की आवाज सुनाई दी। जो कि चोरी किये सामान को बेचने की बात कर रही थी ये सभी एक क्रास ब्रेजिंग पर बैठी थी। पुलिस टीम ने दबिश देकर उनको पकड लिया। तलाशी लेते हुए उनका नाम पता पूछा तो उन्होने अपना नाम निर्मला पत्नी रामू निवासी केशवपुरी बस्ती थाना डोईवाला, संगीता पत्नी चीनू निवासी केशवबस्ती, माला उर्फ मौला, कविता पत्नी सुशील निवासी केशवबस्ती, विमला पत्नी रामटहर निवासी केशवबस्ती डोईवाला बताया। महिलाओं के पास से 40 कनैक्टिंग एम० एस० प्लेट व 15 अदद क्रास ब्रैजिंग बरामद हुई है । महिलाओं से बरामद सामान के संवध मे पूछताछ की तो उन्होने बताया कि ये एंगल अर्जुन उर्फ राजेश पुत्र बुद्ध साहनी निवासी केशवपुरी बस्ती थाना डोईवाला ने सांग नदी व हाथी पुल से खोलकर जंगल मे छिपाई गयी थी और कनेक्टिंग एम एस प्लेट हमारे द्वारा सरकारी पुलों से खोलकर चोरी किये गये हैं । पुलिस ने अर्जुन को भी मौके से गिरफ्तार किया। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अमानवीय आकांक्षाओं से उपजी त्रासदी

विश्वनाथ सचदेव

रूस और यूक्रेन के बीच आज जो कुछ हो रहा है वह आने वाले कल की भयावह आशंकाओं की भी एक तस्वीर है। यह पहली बार नहीं जब दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध के कगार पर खड़ी दिखाई दे रही है और यह आखिरी बार नहीं है जब दुनिया ऐसे किसी भी युद्ध से मनुष्यता को बचाने के लिए प्रार्थना में रत है। आज सारा भारत भगवान शिव से मनुष्यता के कल्याण की पुकार कर रहा है। यूक्रेन के भारत स्थित राजदूत ने भी भारतवासियों से आग्रह किया कि वह यूक्रेन पर रूसी हमले से उत्पन्न वैश्विक खतरों से बचाने के लिए भगवान शिव से प्रार्थना करें। इसी बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति ने रूस की जनता के नाम एक अपील जारी की कि वह रूसी राष्ट्रपति पर 'मनुष्यता-विरोधी' अभियान को तत्काल रोकने के लिए दबाव डालें। किसकी प्रार्थना और किसका आग्रह युद्ध की विभीषिका को रोकने में सहायक होगा, कहा नहीं जा सकता, पर यह कहना जरूरी है कि किसी की भी राजनीतिक महत्वाकांक्षा मनुष्यता के सुरक्षित भविष्य से अधिक महत्वपूर्ण नहीं हो सकती। वह हर व्यक्ति, और हर आशंका, मनुष्यता की अपराधी है जो दो विश्व युद्ध के परिणामों से परिचित होने के बावजूद युद्ध का पक्ष लेती है। युद्ध तो अपने आप में एक समस्या है, वह किसी समस्या का समाधान कैसे हो सकता है?

लगभग तीन दशक पहले हुए खाड़ी-युद्ध के बाद एक बार फिर युद्ध ने हमारे घरों में प्रवेश किया है। खाड़ी-युद्ध के दौरान पहली बार युद्ध का आंखों देखा हाल टेलीविजन के पर्दे पर प्रसारित हुआ था। तब, दुर्भाग्य से युद्ध की विभीषिका से कहीं अधिक हमलावर मिसाइलों के दृश्यों ने लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था। इस बार भी यूक्रेन पर रूसी हमले के दृश्य टेलीविजन पर छाए हुए हैं। निस्संदेह युद्ध की विभीषिका का एक पक्ष यह भी है। इन दृश्यों को दिखाए जाने के औचित्य-अनौचित्य को लेकर तब भी सवाल उठे थे, अब भी उठ रहे हैं। सबसे पहले कोई दृश्य दिखाने के लिए लगी होड़ जारी है। इस होड़ के लिए, और इस युद्ध के लिए भी, दोषी कौन है, यह सवाल उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना यह सवाल कि युद्ध की विभीषिका से आदमी को डर क्यों नहीं लगता? रोज नये से नये और घातक से घातक हथियार क्यों बन रहे हैं? शांति की महत्ता समझने के दावे करने वाले अशांति का बाजार सजा कर क्यों बैठे हैं? बंदूक की ताकत पर अपना आज संवारने का दावा करने वालों के मन में कवि नीरज की तरह यह सवाल क्यों नहीं उठता कि 'अगर... तीसरा युद्ध हुआ तो नयी सुबह की नयी फसल का क्या होगा?' उम्मीद की जानी चाहिए कि स्थितियां सुधरेंगी, युद्ध की आग और नहीं फैलेगी। पागलपन का शिकार होने से बच जायेगा आदमी।

बहरहाल, यह सब लिखते समय दो दृश्य लगातार मुझे परेशान करते रहे हैं। सबसे पहले युद्ध का कोई दृश्य दिखाने का दावा करने वाले चैनलों पर ही, शायद संयोग से ही, ये दृश्य देखे थे मैंने। पहला दृश्य यूक्रेन के उस नागरिक का है जो अपनी पत्नी और बेटी को किसी 'सुरक्षित स्थान' पर पहुंचाने के लिए विदा कर रहा है। वह स्वयं 'असुरक्षित स्थान' पर ही रहने वाला था- मैं अपने देश के लिए ,अपनी जमीन के लिए लड़ूंगा उसने कहा था। वह रो भी रहा था। बेटी भी बिलख रही थी, पत्नी भी। और यह दृश्य देखकर लगभग 75 साल पहले के एक दृश्य की कल्पना करने लगा था मैं। समय भारत के विभाजन का था और हमारा परिवार तब पाकिस्तान के एक छोर क्वेटा में रहता था। पाकिस्तान की सरकार ने मेरे पिता को देश छोड़ने की इजाज़त नहीं दी थी और उन्होंने अपने परिवार को 'सुरक्षित स्थान' पर भेजने का निर्णय किया था। यूक्रेन की उस बिलखती बच्ची को देखकर मैं कल्पना करने लगा था, मैं भी तब ऐसे ही रो रहा होऊंगा जैसे यह बच्ची रो रही है और मेरे पिता भी तब ऐसे ही आंसू बहा रहे होंगे जैसे इस बच्ची का पिता बहा रहा था। यूक्रेन के इस दृश्य और मेरी कल्पना में एक बड़ा अंतर भी है- मेरे पिता को तब क्वेटा छोड़ने की अनुमति नहीं मिली थी और यूक्रेन के इस व्यक्ति ने स्वयं यह निर्णय लेकर बंदूक हाथ में उठायी थी कि वह 'सुरक्षित स्थान' पर जाने के बजाय रूसी खतरे का मुकाबला करेगा। बहुत बड़ा फर्क है दोनों स्थितियों में। जमीन-आसमान का फर्क। पर हकीकत यह भी है कि मानवीय संवेदना दोनों जगह पर एक जैसी थी। वहां भी एक परिवार था, यहां भी। इस एक भाव ने मुझे यूक्रेन के उस सिपाही से जोड़ दिया। फिर मैं स्वयं को उस बच्ची की जगह देखने लगा। फिर मेरी आंखों से आंसू बहने लगे। असहाय होने की भावना की एक पीड़ा थी इन आंसुओं में। 75 साल पहले का वह विभाजन भी अमानवीय था और आज की यह लड़ाई भी मनुष्य की अमानवीय आकांक्षाओं का ही एक उदाहरण है।

एक चित्र सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ है। इस दृश्य में पांच-सात साल की एक बच्ची एक सिपाही को बुरी तरह दुत्कार रही है। सिपाही के हाथ में बंदूक है, पर उसके चेहरे पर असहाय होने का एक भाव भी है। पता नहीं यह चित्र यूक्रेन में हो रही इस लड़ाई का है अथवा किसी और लड़ाई का। यह भी नहीं पता कि वह बच्ची किस भाषा में चिल्ला-चिल्ला कर उस सिपाही के प्रति अपना गुस्सा निकाल रही थी। पर इतना स्पष्ट समझ आ रहा था उसके हाव-भाव से कि वह सिपाही से चले जाने के लिए कह रही है। मैंने अनुमान लगाया कि वह बच्ची यूक्रेन की है और सिपाही रूसी है। हमलावर। अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए किसी भी मनुष्य को दूसरे मनुष्य पर हमला करने का कोई अधिकार नहीं है। यदि कोई विवाद है तो उसे सुलझाने के और रास्ते हो सकते हैं। युद्ध किसी विवाद को सुलझाने का कोई रास्ता नहीं है। और सच तो यह है कि लड़ाई का कोई भी मैदान धर्मक्षेत्र नहीं होता, कुरुक्षेत्र ही होता है। युद्ध में कोई जीतता नहीं, अंततः सब हारते हैं-जीतने वाला भी। यूक्रेन और रूस के बीच लड़ा जा रहा यह युद्ध कल क्या रूप लेता है, कहा नहीं जा सकता। उम्मीद ही की जा सकती है कि युद्ध फैलेगा नहीं, सिमट जायेगा। दूसरा विश्व-युद्ध हिरोशिमा और नागासाकी की विभीषिका के साथ समाप्त हुआ था। और इस माने में स्थितियां आज और भयावह हैं कि विनाश के हथियार पहले से कहीं अधिक भयानक हो गये हैं। ऐसे में कोई भी चिंगारी भीषण आग लगा सकती है। यह बात दुनिया के हर देश को समझनी होगी कि उस आग में कोई दूसरा ही नहीं जलेगा, वह भी जल सकता है। इसलिए युद्ध की हर संभावना को समाप्त करना ही एकमात्र विकल्प बचता है। उस पहले चित्र वाली बच्ची की आंख के आंसू और दूसरे चित्र वाली बच्ची का गुस्सा, अपने आप में एक सबक है, समूची मानवता के लिए। सवाल यह है कि हम कब इस सबक को समझेंगे?

हुवे वः सूनुं सहसो युवानमद्रोघवाचं मतिभिर्यविष्ठम।।

य इन्वति द्रविणानि प्रचेता विश्ववाराणि पुरुवारो अध्रुक्।।

(ऋग्वेद ६-५-१)

आप सबके हित के लिए मैं ज्ञान के प्रकाश अग्निदेव का आव्हान करता हूं, जो शक्ति का स्रोत है, जो सदा-युवा है, जो दयालु और द्वेषरहित है, जो सभी को समृद्धि प्रदान करने वाली है।

For the welfare of all of you, I invoke the light of knowledge, Agni. Which is the source of power. One who is ever-young. One who is merciful and without hatred. Which brings prosperity to all.

(Rig Veda 6-5-1)

मोदी लहर के आगे सब बेबस..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

लेकर परिवर्तन की आस लगाए बैठी थी उसके हाथ एक बार फिर घोर निराशा ही लगी है। भले ही उसने अपने 2017 के प्रदर्शन में थोड़ा सा सुधार किया हो और पहले से ज्यादा आधा दर्जन सीटें उसके खाते में आ गई हो लेकिन पूर्व सीएम हरीश रावत की अगुवाई में लड़े इस चुनाव में फिर एक बार जोर का झटका धीरे से लगा है। 2017 में दो-दो सीटों पर चुनाव हारने वाले हरीश रावत को एक बार फिर करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के साथ जीत के सुखद एहसास के साथ अपनी आखरी राजनीतिक पारी समाप्त करने की इच्छा रखने वाले हरीश रावत का यह सपना अब टूट कर चूर-चूर हो चुका है।

जहां तक बात 60 सदस्यीय विधानसभा सीटों वाले मणिपुर का सवाल है यहां भी भाजपा 30 सीटों के साथ सत्ता में पहुंचती दिख रही है जबकि अभी उम्मीद है कि उसको यहां भी पूर्ण बहुमत मिल जाए ठीक वैसी ही स्थिति 40 सीटों वाली गोवा विधानसभा की भी है जहां वह 19 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी हुई है। इन दोनों राज्यों में उसे बहुमत मिलता है या नहीं यह मतगणना पूरी होने पर ही पता चलेगा लेकिन सबसे आगे होने के कारण उसकी सरकार बनना तय है। इस बार आम आदमी पार्टी की पंजाब में ऐसी झाड़ू चली कि उसने 117 सदस्यीय विधानसभा में 90 सीटें जीतकर विरोधियों का सूपड़ा साफ करते हुए एक नया इतिहास ही रच डाला। यहां अकाली दल के बादल और पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह तथा सीएम चन्नी व नवजोत सिद्धू जैसे महारथी धराशाई हो गए।

पीएसी में दो दिवसीय आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर का समापन

हरिद्वार (आरएनएस)। ४० वी वाहिनी पीएसी परिसर हरिद्वार में डिस्ट्रिक्ट वूशु एसोसिएशन की ओर से दो दिवसीय आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर का समापन सेनानायक ददन पाल एवं आभा पाल ने संयुक्त रूप से किया गया। एसोसिएशन की सचिव राष्ट्रीय कोच आरती सैनी ने महिला पुलिस कर्मी और छात्राओं को आत्म सुरक्षा के टिप्स दिए। इस दौरान ४० वीं वाहिनी पीएसी के सेनानायक ददन पाल ने कहा कि महिलाओं को स्वयं में शारीरिक मानसिक और आत्मिक रूप से मजबूत बनना होगा। महिलाएं शिक्षा के अलावा पुलिस, सेना और विज्ञान के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कहा कि दो दिवसीय आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर में महिला पुलिस कर्मी और छात्राओं ने आत्म सुरक्षा के गुर सीखे हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए ४० वीं वाहिनी पीएसी के उप सेनानायक सुरजीत सिंह पंवार ने कहा कि अंग्रेजी के एक चिंतक विचारक ने कहा है कि मनुष्य को जीवन में कभी भी आराम नहीं करना है। बल्कि उसे समाज के निर्माण के लिए मिलो चलते रहना है। इस अवसर पर संजय आर्य, डॉ राधिका नागरथ, आरती सैनी, सुनील पांडे ने भी विचार रखे। इस दौरान पीएसी के इंस्पेक्टर शिविर पाल राजपाल सिंह रावत, सुरेश सकलानी, कविता रावत, संदीप नेगी, विक्रम भंडारी, पंकज जोशी आदि शामिल रहे।

बाहर से आने वालों लोगों का सत्यापन होगा

चमोली (आरएनएस)। पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबै ने पुलिस अधिकारियों, थानाध्यक्षों, चौकी प्रभारियों को जिले में आये बाहरी व्यक्तियों और नेपालियों के नियमित सत्यापन के निर्देश दिए।बुधवार को पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने जिले के सभी थाना प्रभारियों, एलआई समेत पुलिस के सभी शाखा प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा गोष्ठी का आयोजन कर अपराधों की समीक्षा की। पुलिस अधीक्षक ने अवैध मादक पदार्थों तस्करी पर कड़ी नजर रखने, खनन से जुड़े अपराधों को रोकने पर निर्देश दिये। एसपी ने शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले, ओवर स्पीड, दुपहिया वाहन में तीन सवारी बैठानें, मोबाइल प्रयोग कर वाहन चलाने वालों, नाबालिग वाहन चालकों के विरुद्ध प्रत्येक दिवस अभियान चलाने के भी निर्देश दिये। कड़ी वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। एस पी ने ट्रैफिक चालान करने में ई–चालान मशीन का प्रयोग करने के आदेश दिया। साथ ही पुलिस अधिकारियों को रात्रि चेकिंग करने के निर्देश भी दिये। इस अवसर पर ड्यूटी के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले विनोद पंवार (कोतवाली कर्णप्रयाग) विपिन रावत (सर्विलांस सेल) को प्रशस्ति पत्र देकर समान्नित किया गया।

डॉ. सुरेंद्र सेमल्टी को मिला भारत माता अभिनंदन पुरस्कार

नई टिहरी (आरएनएस)। शिक्षाविद् व साहित्यकार डॉ. सुरेन्द्र दत्त सेमल्टी को भारत माता अभिनन्दन सम्मान प्रदान किया गया है। डॉ. सेमल्टी ने बालिकाओं और महिलाओं को शिक्षा व अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ाने की पहल के साथ ही उन पर आधारित कई पुस्तके लिखी हैं। भारत माता अभिनन्दन संगठन, भिवानी हरियाणा के संरक्षक डॉ. प्रशांत गायकवाड़ व अध्यक्ष पुरुषोत्तम दास मित्तल ने डॉ. सुरेन्द्र दत्त सेमल्टी की ओर से साहित्य व समाज में नारी की गरिमा को बनाए रखने की प्रेरणा दिए जाने को अत्यंत सराहनीय बताया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के ब्रांड एंबेसडर व गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड होल्डर डॉ. प्रशांत गायकवाड़ सहित अंतर राष्ट्रीय सखी परिवार राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दीपिका सुखोदिया, भारत माता अभिनन्दन संगठन महासचिव ऋतु गर्ग व राष्ट्रीय प्रभारी मंजू मित्तल ने डॉ. सुरेन्द्र दत्त सेमल्टी को यह सम्मान प्रदान किया।

सीएम स्वरोजगार योजना में पौड़ी दूसरे पायदान पर

पौड़ी (आरएनएस)। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना में पौड़ी जिला प्रदेश में दूसरे पायदान पर पहुंच गया है। युवाओं को स्वरोजगार मुहैया करवाने को लेकर प्रदेशभर में इस योजना का संचालन किया जा रहा है। जिले ने इस योजना के तय लक्ष्य ४५० के सापेक्ष ३५२ का लक्ष्य हासिल किया। खासकर वीरचंद्र सिंह गढ़वाली वाहन मद, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्पेशल कम्पोनेंट प्लांट जैसी योजना में लक्ष्य से भी आगे प्रगति हासिल हुई है।

मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिए जिले को सीएम स्वरोजगार योजना के तहत होमस्टे, पशुपालन, कृषि, उद्यान आदि क्षेत्रों में स्वरोजगार स्थापित करने के ४५० का लक्ष्य दिया मिला था। लीड बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक जिले ने वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले ही तय लक्ष्य के करीब ७८ फीसदी प्रगति हासिल कर ली है। लीड बैंक अधिकारी पौड़ी अनिल कटारिया ने बताया कि चमोली जिले के बाद पौड़ी दूसरे पायदान पर आ गया है। सभी योजनाओं का मकसद युवाओं को स्वरोजगार मुहैया करवाया जाना है। एसबीआई, पीएनबी, केनरा, बैंक ऑफ बड़ोदा आदि बैंकों ने पर्यटन, पशुपालन, कृषि, उद्यान, उद्योग आदि विभागों के सहयोग से यह लक्ष्य हासिल किया। बैंकों ने ऑनलाइन माध्यम से भी फॉर्म भरने की सुविधा मुहैया करवाई। वीरचंद्र सिंह गढ़वाली वाहन मद योजना में जिले ने दोगुनी उपलब्धि हासिल की। इसमें २० लोगों को लाभ दिया गया है।

चारधाम यात्रा का लेकर गौरीकुंड में हुई बैठक

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। आगामी ६ मई से शुरू होने वाली केदारनाथ यात्रा को लेकर गौरीकुंड में पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ बैठक की। इस दौरान पुलिस ने जनता से सहयोग की अपेक्षा की। साथ ही पुलिस ने लोगों के तीर्थयात्रियों की सेवा करने का भी आग्रह किया। गौरीकुंड में आयोजित बैठक में आने वाली चारधाम यात्रा को सकुशल संपंन कराने के लिए कार्ययोजना धरातल पर उतारने का अनुरोध किया।

प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सोनप्रयाग योगेन्द्र सिंह गुसाईं की अध्यक्षता में गौरीकुंड में हुई बैठक में स्थानीय लोगों के साथ ही व्यापारियों के साथ समन्वय गोष्ठी में कई विषयों पर चर्चा की गई। पुलिस ने कहा कि गौरीकुंड केदारनाथ पैदल यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। यहां तक तो हर कोई किसी न किसी प्रकार के वाहनों के माध्यम से पहुंच ही जाता है, किंतु इसके बाद १६ किमी पैदल चलने में यात्रियों को काफी दिक्कतें होती है। उन्हें पैदल के अलावा भी घोड़े–खच्चर, डंडी, कंडी, पिट्ठू आदि सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी जाए ताकि वह अपनी सुविधानुसार यात्रा कर सके। कहा कि अत्यधिक संख्या में श्रद्वालुओं के आगमन पर भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबन्धन एवं अन्य चुनौतियों से जरूर दो–चार होना पड़ता है। इन चुनौतियों से पार पाने में असल मदद स्थानीय लोगों से ही प्राप्त होती है। बीते २ वर्षों में कोरोना महामारी के चलते यात्रा पर भी काफी असर पड़ा है, किंतु इस बार यात्रा के सुचारु रूप से चलने के आसार हैं। यात्रा के दौरान आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए हुई समन्वय गोष्ठी में चर्चा के बाद कई सुझाव भी लोगों द्वारा दिए गए। सुझावों को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सोनप्रयाग के स्तर से आवश्यक कार्रवाई करने का भरोसा भी दिया गया। इस मौके पर पुलिस ने स्थानीय लोगों को वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराध के बारे में भी जागरूक किया। बताया कि साइबर अपराध होने पर शीघ्र १९३० नम्बर पर कॉल करें ताकि जरूरी मार्गदर्शन के साथ ही समय पर पुलिस कार्रवाई कर सके। इसी तरह महिला संबंधी एवं अन्य किसी भी तरह के अपराध की शिकायत ११२ पर करें। पुलिस ने बताया कि चौकी भी गौरीकुंड कस्बे से काफी करीब है। ऐसे में शिकायत तत्काल चौकी गौरीकुंड या कोतवाली सोनप्रयाग को की जा सकती है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सोनप्रयाग, चौकी प्रभारी गौरीकुंड ने मोबाइल नम्बर भी लोगों को साझा किए। बैठक में चौकी प्रभारी गौरीकुंड ललित मोहन भट्ट, वरिष्ठ उपनिरीक्षक कोतवाली सोनप्रयाग प्रदीप कुमार सहित स्थानीय जनता एवं व्यापारी मौजूद थे।

झूलाघाट पीएचसी में शुरु हुई निःशुल्क जांच

पिथौरागढ़ (आरएनएस)। भारत–नेपाल सीमा पर स्थित पीएचसी झूलाघाट में निरूशुल्क जांच की सुविधा शुरू हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने सीमांत के लोगों को राहत पहुंचाने के लिए निजी लैब के साथ करार किया है, जो अस्पताल पहुंचने वाले मरीज की निरूशुल्क जांच करेगी। जांच शुरू होने से भारत के साथ ही नेपाल के लोगों को राहत मिलेगी।

बुधवार से पीएचसी झूलाघाट में निरूशुल्क जांच की सुविधा शुरू हुई है। अब सीमांत के साथ ही नेपाल के लोगों को यहां निरूशुल्क शून, पेशाब सहित अन्य जांचों की सुविधा मिलेगी। पीएचसी में जांच की सुविधा न होने से झूलाघाट क्षेत्र की १० हजार से अधिक की आबादी को जिला मुख्यालय की दौड़ लगानी पड़ रही थी।

वनों को आग से बचाने में हर नागरिक का सहयोग जरुरीः सिंह

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। उप वन संरक्षक रुद्रप्रयाग वैभव कुमार सिंह ने स्थानीय लोगों से वनों की अग्नि से सुरक्षा की अपील की है। कहा कि वनों में लगने वाली आग की रोकथाम के लिए हर कोई सहयोग करें ताकि वनों को हानि न हो। इसके बचाव को लेकर उन्होंने विस्तार से जानकारी दी। उप वन संरक्षक ने कहा कि वनों में आग लगने से वन संपदा नष्ट होने के साथ ही भू–सतह के अंदर रिसाव में कमी के कारण जल स्रोतों के परिपोषण पर दुष्प्रभाव पड़ता है। इसके साथ–साथ वनाग्नि से उत्पन्न धुएं से सांस व आंख की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। पर्यटन पर भी इससे प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए वनों को हर हाल में सुरक्षित बचाने के लिए सामुहिक पहल करने की जरूरत है। वनों की अग्नि से सुरक्षा में स्थानीय लोगों की जागरूकता और सक्रिय सहयोग के बिना कुछ भी संभव नहीं है। सुरक्षा को देखते हुए वनों के समीप स्थित खेतों में आड़ा जलाते समय विशेष सावधानी बरतें जबकि आग को पूरी तरह बुझाकर ही खेतों को छोड़ें। इसके अलावा वनों में जलती तीली, बीड़ी, सिगरेट आदि न फेंकी जाएं। कहा कि विवाह समारोहों में पटाखे जलाने आदि में विशेष सतर्कता बरतने के साथ ही बच्चों को खेल–खेल में आग न लगाने व घरों, खेतों के आसपास ज्वलनशील पदार्थ घास, फूल, सूखा कूड़ा–करकट आदि के जमा होने पर सतर्कता की जरूरत है। उन्होंने भारतीय वन अधिनियम, २००१ के अनुसार आरक्षित वन में आग लगाने पर व कारावास, जुर्माने की जानकारी भी दी।

बजट की कमी से ल्वाली झील का काम रुका

पौड़ी (आरएनएस)। मंडल मुख्यालय पौड़ी से करीब पंद्रह किलोमीटर दूर गगवाड़स्यूं घाटी में बन रही ल्वाली झील बजट की कमी से अधर में लटक गई है। बीते करीब चार महीने से इस झील पर काम रुका हुआ है। झील निर्माण में हो रही देरी पर्यटन की उम्मीदों को भी पंख नहीं लगा पा रही है। झील निर्माण का शिलान्यास हुए करीब तीन साल का समय अब तक निकल गया है। कार्यदायी संस्था ने अब १२ करोड़ से अधिक की धनराशि की मांग काम को पूरा करने के लिए की है। अभी तक झील का अस्सी फीसदी काम पूरा हुआ है।

पौड़ी की ल्वाली झील पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत के जहां ड्रीम प्रोजक्टों में शामिल रही, वहीं इस झील से स्थानीय युवा भी रोजगार की राह देख रहे हैं। झील से स्थानीय स्तर पर पेयजल की कमी को दूर करने के लिए एक पेयजल योजना भी बनाई जा रही है। कमिश्नरी मुख्यालय से सटी गगवाड़स्यूं घाटी में करीब ९३८ मीटर लंबी ल्वाली झील पर काम सिंचाई महकमा कर रहा है। पौड़ी की भौगोलिक परिस्थितियों की बात की जाए तो यहां से गुजर गर कोई नदी भी नहीं जाती है। ऐसे में यहां के गाड–गदेरे ही पर्यटन के लिहाज से संवारने की जरूरते है। जिले की मध्य हिस्से की बात की जाए तो यहां पूर्वी और पश्चिमी नयार नदियां है और इसके साथ ही कई छोटे–बडे गदेरे भी निकलते हैं। गगवाड़स्यूं घाटी से गुजर रहे इस गदेरे के पास ल्वाली में झील का सर्वे में करवाया गया तो यहां संभावाएं मिली। आईआईटी रुड़की की टीम ने फिजिब्लिटी रिपोर्ट बनाई थी। यहां झील को बनाने के पीछे मकसद खेती को सरसब्ज करने सहित स्थानीय युवाओं को भी रोजगार देने भी है। पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने ६ करोड़ ९२ लाख ७७ हजार की लागत से बनने वाली इस झील का शिलान्यास ३० जून २०१९ में किया था। हालांकि इसके बाद आए कोराना काल के कारण भी इस बहुप्रतीक्षित झील के निर्माण में देरी हो गई। पौड़ी जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं है। यहां की कई घाटियां साहसिक पर्यटन के लिए जानी जाती है। नयार घाटी एडवेंचर फेस्टिवल और इसके साथ ही ल्वाली, सतपुली और स्यूंसी झील भी इसी कड़ी के रूप में देखा जाता है। ल्वाली झील पर्यटन की गतिविधियों को बढ़वा दे सकता है। स्थानीय युवा भी झील से उम्मीदें लगाएं है। झील बनकर तैयार होती है तो यह रोजगार के अवसर भी लेकर आएगी। वहीं आस–पास के बंजर भूमि को सरसब्ज किया जा सकता है। अनुमान के तहत इस झील में ७० लाख लीटर पानी एकत्र हो सकेगा जिससे १७०० नाली यानी ३४ हेक्टेअर भूमि को भी सिंचाई के लिए पानी मिल जाएगा। झील को लेकर आईआईटी रुड़की की सर्वे टीम ने समय–समय पर निरीक्षण किया। इस बीच इसके डिजाइन में बदलाव किया गया। पर्यटन और स्वरोजगार की दृष्टि से महत्वकांक्षी ल्वाली झील पर बजट के अभाव में बीते करीब ४ महीने से काम ठप है। काम को कर रही कार्यदायी संस्था सिंचाई विभाग के मुताबिक रिवाइज इस्टीमेंट शासन को भेजा गया है। झील से आस–पास के गांवों को पेयजल भी उपलब्ध कराने को इसी योजना में शामिल किया गया है और झील से ०.१५ एमएलडी की पेयजल योजना भी बनाई जा रही है। इस काम को पेयजल निगम कर रहा है। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि मार्च २०२० झील की आईआईटी रुडकी ने फिजिब्लिटी रिपोर्ट बनाई है। डिजाइन में बदलाव के कारण प्रारंभिक आंकलन में भी इजाफा हो गया। करीब साढ़े १२ करोड़ की डिमांड शासन से की गई है।

हर महिला की मेकअप किट में जरूर होने चाहिए ये पांच मेकअप टूल्स

मेकअप टूल्स की मदद से मेकअप करना न सिर्फ बहुत आसान हो जाता है बल्कि मेकअप भी अच्छे से होता है। हालांकि, अगर आप मेकअप के मामले में नई हैं तो आपके लिए यह जानना जरूरी है कि मेकअप प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल करने के लिए किन मेकअप टूल्स की जरूरत होती है। आइए आज हम आपको पांच ऐसे मेकअप टूल्स के बारे में बताते हैं, जिनका आपकी मेकअप किट में होना ही जरूरी है।

मेकअप स्पॉन्ज प्राइमर, कंसीलर और फाउंडेशन आदि की लेयर को चेहरे पर समान रूप से फैलाकर एक नेचुरल और स्मूद फिनिश मेकअप बेस तैयार करने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, चेहरे पर ब्लश, लूज पाउडर और यहां तक की सनस्क्रीन को अच्छी तरह से ब्लेंड करने के लिए भी मेकअप स्पॉन्ज का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए हर महिला की मेकअप किट में मेकअप स्पॉन्ज का होना जरूरी है।

काबुकी ब्रश की मदद से चेहरे पर लूज पाउडर या ब्लश लगाना आसान हो जाता है। वहीं, इससे लंबे समय तक मेकअप को सेट रखने में भी मदद मिलती है। वहीं, बात अगर एंगल्ड ब्रश की करें तो इसके इस्तेमाल से चेहरे पर कंटूरिंग करना सरल हो जाता है। बता दें कि कंटूरिंग को मेकअप का बेस माना जाता है। इसके जरिए डार्क और लाइट शेड्स की मदद से चेहरे को एक स्लिम और परफेक्ट लुक दिया जा सकता है।

आईलैश कर्लर की मदद से पलकों को कर्ल करके आंखों को खूबसूरत बनाया जा सकता है। हालांकि, ध्यान रखें कि पलकों को कर्ल करते समय आईलैशेज कर्लर पर बहुत अधिक दबाव नहीं डालना है क्योंकि इस वजह से पलकें टूट सकती हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप हमेशा आईलैशेज कर्लर का इस्तेमाल आराम से करें। वहीं, पलकों को कर्ल करते समय कर्लर को बाहर की तरफ खींचने की बजाय ऊपर की तरफ घुमाएं।

बालों की तरह आईब्रो को भी सेट करने की जरूरत होती है, जिसके लिए आईब्रो कोंब ब्रश का इस्तेमाल करना बेहतर हो सकता है। बता दें कि आईब्रो कोंब ब्रश दो मुंह वाला होता है, जिसके एक तरफ ब्रश होता है तो दूसरी तरफ छोटी सी कंघी होती है। आइब्रो पेंसिल लगाने के बाद ब्रश वाले हिस्से से उसे सेट कर लें और कंघी की तरफ से आईब्रो को शेप दें। यकीनन इसके बाद आपकी आईब्रो फुलर और खूबसूरत लगेंगी।

30 की उम्र के बाद इन चीजों के सेवन से बना लें दूरी

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे शरीर में हाई ब्लड प्रेशर और मधुमेह जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए स्वास्थ्य का खास ध्यान देना जरूरी है। इस दौरान डाइट का खास ध्यान रखें क्योंकि एक उम्र के बाद खान-पान की कुछ चीजें स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं। आइए आज हम आपको ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में बताते हैं, जिनका सेवन 30 की उम्र के बाद करना स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

अगर आपकी उम्र 30 के पार हो चुकी है और आप हल्की-फुल्की भूख मिटाने के लिए पैकेज्ड सूप का सेवन कर लेते हैं तो आज से ही इनका सेवन करना बंद कर दें। दरअसल, पैकेज्ड सूप में सोडियम की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर में पहुंचकर इसे हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर और स्ट्रोक आदि बीमारियों का घर बना सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप अपनी डाइट में पैकेज्ड सूप की बजाय होममेड सूप को ही शामिल करें।

कई लोग फ्लेवर्ड सोडा पानी, स्पोर्टस ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक और सॉफ्ट ड्रिंक्स जैसे मीठे पेय पदार्थों का सेवन करना काफी पसंद करते हैं, लेकिन अगर आप 30 साल के हो गए हैं तो इन पेय पदार्थों का सेवन करना बंद कर दें। दरअसल, इन पेय पदार्थों में पोषक तत्वों की कमी होती है और इनमें शुगर की मात्रा भी अधिक होती है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने का कारण बन सकती है।

अगर आपकी उम्र 30 साल से ज्यादा है तो आपको रिफाइंड कार्ब्स से युक्त चीजों के सेवन से दूरी बना लेनी चाहिए क्योंकि रिफाइनिंग प्रक्रिया के दौरान खाद्य पदार्थों में से सभी पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। रिफाइंड कार्ब्स से भरपूर भोजन एक उच्च ग्लाइसेमिक आहार होता है, जो आपके रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ा सकता है, जिसके कारण न सिर्फ मधुमेह बल्कि याददाशत में कमी और डिमेंशिया जैसी गंभीर बीमारियों की संभावना भी बढ़ जाती है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

घरेलू उपाय से पाएं दांतो व मसूड़ों के दर्द से छुटकारा

दांतों में दर्द कई कारणों से होता है। कई बार दांतों में कीड़े लग जाने से उनकी जड़ें कमजोर हो जाती हैं। इससे भी दांत हिलने लगते हैं और उनमें दर्द होता है। वहीं, मसूड़ों से खून आने की समस्या भी होती है। इसके कारण खाने पीने में काफी तकलीफ होती है। दांत के दर्द के मुख्य कारण इफेक्शन, घाव या फिर दांतों का टूटना होता है। इससे बचने के लिए कई घरेलू नुस्खों को अपनाना फायदेमंद होता है। दांत के दर्द की समस्या से निजात पाने के लिए लौंग का इस्तेमाल करना बेहद लाभदायक होता है। इसके अलावा नींबू, हींग और लहसुन जैसे घरेलू नुस्खों का अपनाना भी बेहद सहायक होता है। आइये जानें दांतों के दर्द से राहत पाने के लिए आपको किन घरेलू नुस्खों को अपनाना चाहिए –

लौंग- दांत में दर्द से राहत देने के लिए लौंग भी काफी कारगर है। यदि आप दांतों के दर्द से पीड़ित हैं तो दांत के नीचे या बीच में एक लौंग रख लें। लौंग चबाते समय आप हल्के गुनगुने पानी का ही सेवन करें। ठंडा या खट्टा खाने से बिल्कुल बचें। लौंग में मौजूद ऐंटिबैक्टीरियल, ऐंटिइंफ्लामेट्री तत्व दांत में लगे कीड़े को खत्म करने का काम करते हैं। यह मसूड़ों की सूजन से भी राहत दिलाने में मददगार होती है।

हींग- हींग दांतों से संबंधित समस्याओं का खात्मा करने में बेहद सहायक होती है। यदि आपके दांत का दर्द असहनीय है तो आप हींग का एक टुकड़ा लेकर प्रभावित दांत के ऊपर की तरफ रख लें। इसके अलावा आप पानी में हींग और नमक डालकर भी बॉइल कर सकते हैं। गुनगुना होने के बाद इस पानी से कुल्ला करें। फर्क महसूस होगा।

लहसुन- लहसुन अपने औषधीय गुणों के कारण जाना जाता है। इसे आमतौर पर सर्दी-जुकाम ठीक करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह मुंह के बैक्टीरिया को खत्म करने की भी क्षमता रखता है। दांत के दर्द को दूर करने में लहसुन बेहद फायदेमंद होता है। लहसुन की कली को छील के दांत के बीच में रख कर चबाते रहें। ऐसा करने से दांत के दर्द से राहत मिलेगी। अगर यह स्पष्ट नहीं है कि दांतो में दर्द और मसूड़े में सूजन का क्या कारण है तो आपके दंत चिकित्सक स्वास्थ्य संबंधी स्थितियों की जाँच करने के लिए चिकित्सा मूल्यांकन का परामर्श दे सकते हैं। अगर आपको मसूड़ों की बीमारी ज्यादा बढ़ गयी है तो आपके दंत चिकित्सक आपको पेरियोडेंटिस्ट के पास भेज सकते हैं।

मानव कौल ने द फेम गेम में माधुरी दीक्षित के साथ काम करने का अनुभव किया साझा

काई पो चे के अभिनेता मानव कौल ने दिग्गज बॉलीवुड स्टार माधुरी दीक्षित के साथ द फेम गेम में काम करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने अपने किरदार मनीष खन्ना के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, माधुरी दीक्षित के साथ काम करना निश्चित रूप से एक सपने के सच होने जैसा हैं क्योंकि हम सभी उनके इतने बड़े प्रशंसक हैं। शूटिंग शुरू होने से पहले मैं थोड़ा घबराया हुआ था लेकिन जब हमने शूटिंग शुरू की तो मुझे ऐसा लगा जैसे मैं एक ऐसे अभिनेता के साथ काम कर रहा हूं, जिसमें समान रूप से परियोजना में निवेश किया गया है। यह वास्तव में बहुत अच्छा रहा और मैंने इससे बहुत कुछ सीखा है।

मैं जो किरदार निभा रहा हूं, उसका नाम मनीष खन्ना है और यह बहुत दिलचस्प किरदार है। मुझे लगता है कि लोग शायद ही कभी अभिनेताओं के निजी जीवन के बारे में बात करते हैं या सोचते हैं। शो में मनीष एक स्टार हैं लेकिन उनके लिए संघर्ष एक सामान्य सुखी जीवन जीने का है।तुम्हारी सुलु के अभिनेता ने कहा, वह हमेशा सुर्खियों में रहता है लेकिन जब वह अकेला होता है तो वह बहुत अकेला महसूस करता है, उसके पास बात करने के लिए कोई नहीं होता है। जो मुझे लगता है कि बहुत मुश्किल है, खासकर अगर आप भारत में एक स्टार हैं तो यहां उसे इस विरोधाभास से निपटना होगा। यह किरदार मुझे वास्तव में पसंद है।

द फेम गेम नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

शब्द सामर्थ्य - 62

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा) 11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

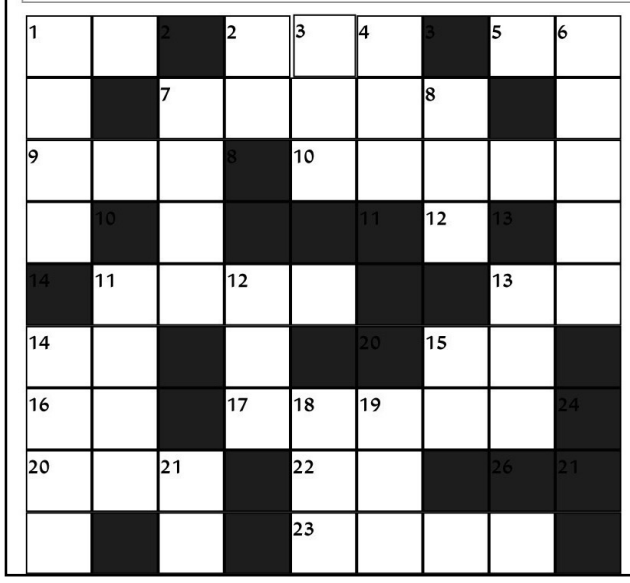

ग	ल	त	ज्ञ	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	10 रं	■	■	मि	
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
14	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	18	प	20	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	24
ची	25	■	प	■	पा	■	26	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

होली 2023 में प्रदर्शित होगी रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की अनटाइटल फिल्म

रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर पहली बार लव रंजन की आने वाली फिल्म में एक साथ नजर आएंगे। हालांकि, ऐसा लग रहा है कि फैंस को उन्हें पर्दे पर देखने के लिए अभी थोड़ा और इंतजार करना होगा। निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज की तारीख को होली, यानी 8 मार्च, 2023 तक आगे बढ़ाने का फैसला किया है। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है जो पहले अगले साल गणतंत्र दिवस, यानी 26 जनवरी, 2023 को सिनेमाघरों में आने वाली थी।

रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की अभी तक अनटाइटल्ड फिल्म, जिसके कुछ हिस्सों की शूटिंग दिल्ली में हुई थी, को फिर से आगे बढ़ा दिया गया है। जब से दिसंबर 2019 में फिल्म की घोषणा की गई थी, तब से शूटिंग और इसकी रिलीज नोवेल कोरोनावायरस महामारी के कारण स्थगित होती रही। नवंबर 2021 में, निर्माताओं ने घोषणा की थी कि फिल्म 26 जनवरी, 2023 को प्रदर्शित की जाएगी। हालांकि, रिलीज की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है। रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की फिल्म अब 8 मार्च, 2023 को सिनेमाघरों में उतरेगी। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म बुधवार को रिलीज होगी, यह दर्शाता है कि निर्माता एक और छुट्टी सप्ताहांत - होली सप्ताहांत को भुनाने की उम्मीद कर रहे हैं।

ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ट्विटर पर रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर अभिनीत फिल्म की नई रिलीज डेट साझा की। उन्होंने लिखा, रणबीर-श्रद्धा: होली 2023 रिलीज फाइनल... लव रंजन की अगली फिल्म - जिसका शीर्षक अभी नहीं है- सिनेमाघरों में 8 मार्च 2023 को रिलीज होगी होली... सितारे रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर... इससे पहले, यह घोषणा की गई थी कि लव रंजन निर्देशित फिल्म 26 जनवरी, 2023 को रिलीज होगी। तरण आदर्श ने ट्विटर पर यह घोषणा करते हुए कहा था, रणबीर - श्रद्धा: गणतंत्र दिवस 2023 अंतिम ... लवरंजन की अगली फिल्म - जिसका शीर्षक अभी तक नहीं है - 26 जनवरी 2023 को रिलीज होगी।

लव रंजन की अपकमिंग फिल्म में रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगे। यह लव रंजन के साथ उनकी पहली फिल्म है। कथित तौर पर, फिल्म निर्माता बोनी कपूर रोमांटिक कॉमेडी में रणबीर के पिता की भूमिका निभाते नजर आएंगे। संयोग से यह बोनी कपूर का बॉलीवुड में डेब्यू होगा। डिंपल कपाडिया को रणबीर की मां की भूमिका निभाने के लिए अनुबंधित किया गया है।

स्पाई बहू में एक परिष्कृत, कलात्मक महिला की भूमिका निभा रही हैं परिणीता

टीवी शो गुस्ताख़ ब्रदर्स में गंगा की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री परिणीता बोरठाकुर अब आगामी शो स्पाई बहू की कास्ट में शामिल हो गई हैं। यह शो एक जासूस और एक संदिग्ध आतंकवादी के बीच प्रेम कहानी के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसे सना सैय्यद और सेहबान अजीम है।

वह कहती है कि मैं टीवी स्क्रीन पर वापस लौटने के लिए वास्तव में बहुत उत्साहित हूं। शो में मेरी भूमिका बहुत शक्तिशाली है और उन भूमिकाओं से अलग है जो मैंने पहले पर्दे पर निभाई थीं। अपने आखिरी शो के ऑफ एयर जाने के बाद मैं एक छोटे से ब्रेक पर थी। मैं अपने व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, और अपने बेटे और परिवार को कुछ समय दे रही थी।

परिणीता अपनी भूमिका के बारे में बताती हैं और कहती हैं कि मैं वीरा का किरदार निभा रही हूँ, जो एक बहुत ही परिष्कृत और कलात्मक व्यक्ति है। मैं योहन की सौतेली माँ हूँ । मेरा किरदार कहानी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

स्पाई बहू का प्रोमो हाल ही में बॉलीवुड दिवा करीना कपूर खान के साथ प्रसारित हुआ। शो में अयूब खान, शोभा खोटे, भावना बलसावर भी हैं।

रेयांश वीर चड्ढा अगर तुम ना होते में निभा रहे है खलनायक की भूमिका

सपने सुहाने लड़कपन के के अभिनेता रेयांश वीर चड्ढा अगर तुम ना होते के कलाकारों में शामिल हो गए हैं। अभिनेता शो में अंगद की निगेटिव भूमिका निभाएंगे। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए रेयांश कहते हैं कि मैं अगर तुम ना होते जैसे शो का हिस्सा बनकर खुश हूं, जिसे दर्शकों ने इतना प्यार दिया और सराहा है। चलते शो में शामिल होना हमेशा एक चुनौती होती है। क्योंकि दर्शक पहले से ही सभी पात्रों और अभिनेताओं के आदी हो चुके होते हैं।

हालांकि, मेरा किरदार शो में हाई-वोल्टेज ड्रामा जोड़ देगा। मनोरमा अंगद की असली मां है, जो उसे बहुत कम उम्र में छोड़ देती है। हालांकि, वह बदला लेने के इरादे से उसके जीवन में वापस आ गया है।

वह शो में अपने किरदार के बारे में आगे बताते हैं।

ग्रे किरदार स्वतंत्र और स्वाभाविक तरीके से कार्य कर सकते हैं, इस बात की परवाह किए बिना कि दूसरे लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं। वे चिल्ला सकते हैं, शेखी मार सकते हैं और उन तरीकों से आक्रामकता दिखा सकते हैं जो नायक नहीं कर सकते। यह हर अभिनेता को पूरी तरह से और बिना किसी रोक-टोक के व्यक्त करने की रचनात्मक स्वतंत्रता देता है। इस तरह के चरित्र के लिए मानसिक और भावनात्मक रूप से बहुत तैयारी की आवश्यकता होगी।

अगर तुम ना होते जी टीवी पर प्रसारित होता है।

नूरानी चेहरा से फिल्मी करियर शुरू करने जा रही हैं नुपुर सैनन

अभिनेत्री कृति सैनन की छोटी बहन नुपुर सैनन पिछले काफी समय से अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर सुर्खियों में हैं। उनका नाम कई फिल्मों से जुड़ चुका है और अब आखिरकार नुपुर की पहली फिल्म नूरानी चेहरा का ऐलान हो गया है। वह बॉलीवुड के मंझे हुए अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ अपना फिल्मी करियर शुरू करने जा रही हैं। 26 वर्षीया नुपुर की पहली फिल्म का पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

नुपुर की पहली फिल्म नूरानी चेहरा का निर्देशन नवानियत सिंह कर रहे हैं। फिल्म और ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने भी सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी है। दूसरी तरफ नुपुर ने नवाजुद्दीन के साथ अपनी अनूठी लव स्टोरी वाली इस फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए लिखा, नूरानी चेहरा में नूर और हिबा के प्यार में पड़ने के लिए तैयार रहें। यह होगी इस साल की बेमेल जोड़ी। आज यानी वैलेंटाइन डे से शूटिंग शुरू हो गई है।

बता दें कि नुपुर ही नहीं, बल्कि अभिनेत्री अवनीत कौर भी नवाजुद्दीन के साथ बतौर लीड एक्ट्रेस बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। दोनों की जोड़ी कंगना रनौत के होम प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही फिल्म टीकू वेड्स शेरू में बनी है।

नवाजुद्दीन ने भी सोशल मीडिया पर नूरानी चेहरा का ऐलान कर दिया है। उन्होंने फिल्म के पोस्टर के साथ नुपुर संग फिल्म के सेट से ली गई अपनी एक दूसरी तस्वीर पोस्ट कर लिखा, प्यार, मुस्कुराहट और कुबूलनामा। तस्वीर में दोनों एक-दूसरे की तरफ देख मुस्कुरा रहे हैं। इस फिल्म को पंजाबी फिल्म काला शाह काला का हिंदी रीमेक बताया जा रहा है। इसका निर्माण पैनोरमा स्टूडियो, वाइल्ड रिवर पिक्चर्स और पल्प फिक्शन एंटरटेनमेंट के जरिए किया जा रहा है।

निर्देशक नवानियत सिंह कहते हैं, मैं खुश हूं कि मैंने जैसा सोचा था, ठीक वैसा ही हो रहा है। इस फिल्म की कहानी को लेकर बेहद रोमांचित हूं। मुझे खुशी है कि नवाजुद्दीन और नुपुर को फिल्म की कहानी बहुत पसंद आई। उन्होंने कहा, दोनों कहीं से भी कपल नहीं लगते, लेकिन एक कपल के तौर पर मुझे उनसे बेहतर कोई कलाकार नहीं लगे। शूटिंग शुरू करने के लिए वैलेंटाइन डे से बेहतर और कोई दिन नहीं हो सकता था।

नुपुर, अक्षय कुमार के साथ दो सुपरहिट म्यूजिक वीडियो फिलहाल 1 और फिलहाल 2 में नजर आ चुकी हैं। इन दोनों ही गानों में अक्षय और नुपुर की केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल छू लिया था। फिलहाल 2019 में रिलीज हुआ था। इसे अब तक यू-ट्यूब पर एक अरब से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। दूसरी तरफ फिलहाल 2 को अब तक 560 मिलियन से ज्यादा लोग देख चुके हैं। ये दोनों गाने सिंगर बी प्राक ने गाए थे।

मेरे वास्तविक और रील किरदार के बीच काफी समानताएं हैं: विधि पांड्या

टीवी अभिनेत्री विधि पांड्या ने कहा कि मोसे छल किए जाए में मेरे वास्तविक और रील किरदार के बीच काफी समानताएं हैं। वह सौम्या वर्मा नाम की एक महत्वाकांक्षी लेखिका की भूमिका निभा रही हैं। विधि को लगता है कि वह और उनका ऑन-स्क्रीन चरित्र काफी समानताएं साझा करता है।

विधि ने कहा, मैं अपने चरित्र सौम्या वर्मा के साथ काफी समानताएं साझा करती हूं। वह सभी की देखभाल करती है और उन लोगों की मदद करने में संकोच नहीं करती जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। विधि पहले बिग बॉस 15 शो में भी बतौर प्रतियोगी नजर आ चुकी हैं। इससे संबंधित उन्होंने और जानकारी साझा की है।

उड़ान की अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं कई मायनों में सौम्या से संबंधित हूं क्योंकि मैं भी ऐसी इंसान हूं जो किसी सीमा से बंधी नहीं है। एक और बड़ी समानता जो मैं अपने चरित्र के साथ साझा करती हूं वह यह है कि हम दोनों एक ही समय में दृढ़ और कमजोर हैं और हमेशा अच्छाई देखना चाहते हैं।

मोसे छल किए जाए सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

अप्रैल में राजकुमार हिरानी की फिल्म की शूटिंग शुरू करे सकते हैं शाहरुख

शाहरुख खान पिछली बार फिल्म जीरो में नजर आए थे। हालांकि, उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फेल हो गई। इसके बाद शाहरुख ने ब्रेक लिया और फिर फिल्म पठान की घोषणा की। निर्देशक राजकुमार हिरानी की फिल्म से भी शाहरुख जुड़े हुए हैं और उनकी इस फिल्म से जुड़ीं अब तक कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं। अब खबर है कि शाहरुख अप्रैल से इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख हिरानी की सोशल कॉमेडी फिल्म की शूटिंग 15 अप्रैल से शुरू वाले हैं। पहले शेड्यूल की शूटिंग मुंबई के फिल्म सिटी स्टूडियो में होगी। निर्माताओं ने सिटी स्टूडियो में पंजाब के एक गांव को रीक्रिएट किया है। 31 मार्च तक सेट तैयार हो जाएगा। सेट पर शूटिंग पूरी होने के बाद निर्माता अप्रैल या मई में पंजाब के खेतों में शूटिंग करेंगे। फिल्म की शूटिंग मुंबई, ब्रिटेन में और बुडापेस्ट में होगी।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इस फिल्म में शाहरुख और तापसी पन्नू के अलावा कई नामचीन सितारे अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। फिल्म में बोमन ईरानी भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। अन्य लोकप्रिय कलाकार इसमें छोटी, लेकिन अहम भूमिका निभाने वाले हैं। निर्माता अभी विक्की कौशल और जिम सरब जैसे अन्य कलाकारों के साथ मेहमान भूमिकाओं के लिए बातचीत कर रहे हैं, लेकिन अभी तक फिल्म में उनकी कास्टिंग की पुष्टि नहीं हुई है।

शाहरुख ने अपने करियर में कई बड़े निर्माताओं और निर्देशकों के साथ काम किया है, लेकिन यह पहला मौका है, जब वह राजकुमार हिरानी के साथ काम करने जा रहे हैं। उन्होंने हिरानी की फिल्म के लिए 100 दिन दिए हैं। अक्टूबर तक शूट पूरा होगा। पठान की शूटिंग पूरी करते ही शाहरुख इस पर काम शुरू करेंगे। शाहरुख ने हाल ही में नयनतारा और सान्या मल्होत्रा के साथ निर्देशक एटली की फिल्म के लिए शूटिंग शुरू की है।

राजकुमार हिरानी बॉलीवुड का लोकप्रिय नाम हैं। हिरानी ने बहुतों को फिल्म निर्देशन की परिभाषा भी सिखाई। उनकी बनाई हर फिल्म ने नए रिकॉर्ड बनाए। मुन्नाभाई एमबीबीएस, लगे रहो मुन्नाभाई, पीके, थ्री इडियट्स और संजू जैसी सफल फिल्मों का निर्देशन हिरानी ने ही किया है।

शाहरुख थ्रिलर फिल्में बनाने के लिए मशहूर राज एंड डीके की आगामी फिल्म में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। फिल्म रॉकेट्री: द नांबी अफेक्ट और लाल सिंह चड्ढा में शाहरुख मेहमान भूमिका निभाने वाले हैं। निर्देशक संजय लीला भंसाली ने भी शाहरुख के साथ इजहार नाम की एक रोमांटिक फिल्म बनाने की प्लानिंग की है। फिल्म टाइगर 3 में शाहरुख एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखने वाले हैं और फिल्म ब्रह्मास्त्र में उन्हें साइंटिस्ट की भूमिका में देखा जाएगा।

उनके जीने के अधिकार का हो सम्मान

चेतनादित्य आलोक

वैसे तो पशुओं से मनुष्य जाति का नाता आरंभ से ही रहा है, लेकिन हमारी सभ्यता में पशुओं का सदा से विशेष स्थान रहा है। इसका प्रमुख कारण यह है कि हमारे पूर्वजों ने पशुओं को मित्र एवं सहचर मान-समझकर उन्हें अपने जीवन में स्थान प्रदान किया था। हमारी परंपरा में एक ओर गाय को माता मानकर उसकी पूजा-अर्चना करने का विधान है तो दूसरी ओर हमारे त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश के अतिरिक्त गणेश, दुर्गा, इंद्र एवं यमराज समेत विभिन्न देवी-देवताओं द्वारा पशुओं को अपने वाहन बनाकर उन्हें प्यार और सम्मान देने के प्रमाण भी मौजूद हैं। उल्लेखनीय है कि हमारी संस्कृति ने केवल पालतू पशुओं से ही नहीं, बल्कि हिंस्र एवं विषैले जानवरों समेत तमाम जीव-जगत से प्रेम और करुणापूर्ण व्यवहार करने की शिक्षाएं दी हैं। यही कारण है कि पंचतंत्र समेत हमारे तमाम प्राचीन ग्रंथों एवं धार्मिक आख्यानों में पशुओं और मनुष्यों के सहजीवन एवं उनकी मित्रता की कहानियां भरी पड़ी हैं। हमारे आधुनिक हिन्दी साहित्य में भी मनुष्य के साथ पशुओं की मित्रता एवं उनके बीच के सहजीवन के महत्व को बखूबी दर्शाया गया है। प्रेमचंद की 'दो बैलों की कथा' शीर्षक कहानी एवं बांग्ला के महान लेखक शरतचंद्र की प्रसिद्ध कहानी 'महेश' को कैसे भुलाया जा सकता है?

बहरहाल, विश्वभर में हो रही बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि एवं विकास के नाम पर वनों के विनाश तथा वन्यजीवों के विरुद्ध बढ़ते अत्याचारों के कारण संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाये जाने की घोषणा 20 दिसंबर, 2013 को की, जिसके बाद प्रत्येक वर्ष 3 मार्च को इसका आयोजन किया जाने लगा। बहरहाल, भारत सरकार की ओर से संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में दिसंबर, 2018 में प्रस्तुत छठी राष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार भारत में इस समय वन्य जीवों की 900 से भी अधिक दुर्लभ प्रजातियां लुप्तप्राय एवं संकटग्रस्त श्रेणियों में शामिल हैं। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' नामक पुस्तक में संकटग्रस्त एवं लुप्तप्राय वन्य जीवों की 1180 प्रजातियों का वर्णन चिंतित करने वाला है। वैसे एशियाई शेरों, दक्षिण अंडमान के माउंट हैरियट में पाये जाने वाले विशेष छछूंदरों, दलदली क्षेत्रों में पाये जाने वाले बारहसिंगा हिरण एवं मालाबर गंधबिलाव की स्थिति भी दयनीय है। मालाबर गंधबिलाव अब महज कुछ सैकड़ों की संख्या में मौजूद हैं। वहीं एशियाई शेर गुजरात के गिर वनों तक सिमट चुके हैं, जबकि बारहसिंगा हिरण अब देश के कुछ वनों में ही पाये जाते हैं।

ऐसे ही कश्मीर में पाये जाने वाले हांगलुओं की संख्या भी अब कुछ सैकड़ों में ही सिमट चुकी है। इसी प्रकार देश में पायी जाने वाले विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों के अस्तित्व पर भी खतरा मंडराने लगा है। 'इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' की बात मानें तो भारत में पायी जाने वाली फूलों की 15 हजार प्रजातियों में से डेढ़ हजार प्रजातियां आज लुप्तप्राय हो चुकी हैं, जबकि पौधों की लगभग 45 हजार प्रजातियों में से 1336 प्रजातियां भी अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। इनके अतिरिक्त वन्य जीवों पर मंडरा रहे खतरों के संदर्भ में यदि बाघों की बात की जाये तो आंकड़ों के अनुसार बाघों की संख्या में हालांकि वृद्धि तो हुई है, लेकिन उनकी हत्याओं का दौर अभी समाप्त नहीं हुआ है और न ही उनके आश्रय-स्थलों में बढ़ती मानवीय घुसपैठ पर रोक लग पायी है। यही कारण है कि बाघ अब नये-नये गलियारे स्वयं ही ढूंढ़ने लगे हैं। उत्तराखंड वन विभाग के अनुसार तो हैडाखाल के अतिरिक्त यहां पिथौरागढ़ के अस्कोट एवं केदारनाथ में भी बाघों की मौजूदगी के सबूत मिले हैं। वन्य जीव विशेषज्ञों के अनुसार अब पहाड़ों पर स्थित जंगलों में पलायन करने वाले बाघ अपने नये आश्रय बनाने लगे हैं।

हालांकि, सरकार की मानें तो इस वर्ष देश में पांच नये टाइगर रिजर्वों का निर्माण किये जाने की योजना है। फिलहाल छत्तीसगढ़ के गुरु घासीदास नेशनल पार्क, राजस्थान के रामगढ़ विषधारी अभयारण्य, बिहार के कैमूर वन्यजीव अभयारण्य, अरुणाचल के दिव्यांग वन्यजीव अभयारण्य एवं कर्नाटक के एमएम हिल अभयारण्य को टाइगर रिजर्व के रूप में विकसित करने की सरकार ने स्वीकृति दे दी है। वैसे भारत में वन्य जीव-संरक्षण हेतु समय-समय पर कानून भी बनाये जाते रहे हैं। वर्ष 1956 में संशोधित एवं पारित 'भारतीय वन अधिनियम' मूलत: स्वतंत्रता से पूर्व 1927 में ही अस्तित्व में आ गया था। स्वतंत्रता के बाद पहली बार 1983 में 'राष्ट्रीय वन्य जीव योजना' बनाकर नेशनल पार्कों एवं अभयारण्यों का निर्माण शुरू किया गया। वैसे इससे पूर्व भी कस्तूरी मृग परियोजना-1970, गिर सिंह परियोजना-1972, बाघ परियोजना -1973, कछुआ संरक्षण परियोजना-1975 जैसी कई परियोजनाओं के माध्यम से वन्य जीवों एवं वनों की सुरक्षा की पहल की गयी थी।

नाशक नशा

पंजाब में नशीले पदार्थों का लगातार बढ़ता प्रचलन जहां एक गंभीर सामाजिक चुनौती है, वहीं यह कानून व्यवस्था हेतु भी बड़ा संकट पैदा कर रहा है। खासकर पाकिस्तान सीमा से लगे इस संवेदनशील राज्य में यह चुनौती ज्यादा घातक साबित हो सकती है। हाल के दिनों में नशीले पदार्थों और हथियारों की खेपों की बड़ी बरामदगी इस बड़े संकट की ओर इशारा करती है। बहरहाल, पंजाब में नशीले पदार्थों की बढ़ती खपत पर पीजीआई चंडीगढ़ द्वारा कराये गये नवीनतम अध्ययन के निष्कर्ष इस संकट की पुष्टि करते हैं जो बताता है कि पंजाब में बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों का सेवन किया जा रहा है। राज्य में करीब तीस लाख लोग नियमित नशे के आदी हैं जिसमें पुरुषों की संख्या सबसे अधिक है। उसमें तमाम हानिकारक नशीले पदार्थ शामिल हैं। इस अध्ययन का मकसद निवारक कदमों व रणनीतियों की तलाश करना रहा है। बहरहाल यह अध्ययन हमें एक कड़वी सच्चाई से रूबरू कराता है। हाल के वर्षों में नशा माफिया पर नकेल कसने के सरकारों के प्रयास सिरे नहीं चढ़े हैं। निस्संदेह जब तक नशा माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए कड़ा दंड शीघ्र नहीं मिलता, युवाओं के भटकाव को रोक पाना आसान नहीं होगा। निस्संदेह, युवाओं को भटकाव से रोकने के लिये उन्हें सामाजिक, मानसिक और शारीरिक संबल देने की जरूरत है। इससे राज्य के सामाजिक व आर्थिक सकंट को दूर करने में मदद मिल सकती है तभी राज्य समृद्धि और विकास की गौरवशाली राह तलाश सकेगा।

निश्चित रूप से राज्य में रोजगार संकट युवाओं को निराशा की दलदल में धकेल रहा है। युवाओं में भविष्य को लेकर पैदा आशंका उन्हें विदेश पलायन के लिये उकसा रही है। अभिभावक अपने बच्चों को मादक द्रव्यों की दलदल से बचाने के लिये विदेश भेजने को आतुर हैं जिसके लिये वे अपना सबकुछ दांव पर लगाने को तैयार हैं। दरअसल, राज्य में जिस तेजी से नशे की आपूर्ति बढ़ी है और तस्करों के खिलाफ कार्रवाई व दंड में कम प्रगति हुई है, उसने राज्य के लोगों की चिंता को बढ़ाया है। यह स्थिति राज्य के उज्ज्वल भविष्य को दु:स्वप्न में बदल रही है। राज्य में मादक द्रव्यों की खपत व नशे की लत किस गति से बढ़ रही है, यह उस आंकड़े से पता चलता है जिसमें देश के मादक द्रव्यों के सेवन से सर्वाधिक प्रभावित 272 जिलों में 18 जिले पंजाब के हैं। धीरे-धीरे यह चुनौती पड़ोसी राज्य हरियाणा में पैर पसार रही है। इस चुनौती के मुकाबले हेतु ठोस रोड मैप बनाने की जरूरत है जिसमें छात्रों को इसके दुष्प्रभावों से अवगत कराने, इसके खिलाफ प्रेरित करने, स्कूल कालेजों के आसपास शराब-तंबाकू की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के कदम शामिल हैं। विडंबना यह है कि पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिये अब तक जितने भी प्रेरक अभियान चले हैं, जमीनी हकीकत पर वे लक्ष्यों के अनुरूप परिणाम नहीं दे पाये। कोरोना काल में भी जो अभियान ऑनलाइन चलाये गये, वे भी कारगर साबित नहीं हुए। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.62

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.61 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

दुनिया की फिक्र

वैश्विक पर्यावरण संबंधी गंभीर चुनौतियों के मुकाबले के लिये हमारे प्रयासों की स्थिति कितनी चिंताजनक है, इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज यानी आईपीसीसी की हालिया रिपोर्ट उसे उजागर करती है। दरअसल, संस्थान के छठे आकलन की दूसरी रिपोर्ट पर्यावरणीय चिंताओं का सटीकता के साथ खुलासा करती है, जो हाल के दिनों में लगातार विस्तार पा रही है। यह रिपोर्ट खुलासा करती है कि पूरी दुनिया के सामने मौजूदा ग्लोबल वार्मिंग से मुकाबले के लिये किये जा रहे प्रयास वक्त की कसौटी पर खरे नहीं उतर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि क्लाइमेट चेंज के मद्देनजर जो कदम वैश्विक स्तर पर उठाये जाने चाहिए थे, वे नहीं उठाये जा रहे हैं। वास्तव में यह जितनी बड़ी चुनौती है, उसके मुकाबले हमारे प्रयास नाकाफी हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती के मुकाबले के लिये दुनिया में जो वैचारिक साम्य बना है, उसमें आईपीसीसी के अनुमानों व संस्तुतियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिसकी भावभूमि पर पेरिस जलवायु समझौते जैसी महत्वपूर्ण पहल हो सकी है। आईपीसीसी के आकलन से ही यह बात स्पष्ट हुई है कि बदलते वक्त के साथ चुनौती और जटिल होती जा रही है। पहले कहा जा रहा था कि इंडस्ट्रियल क्रांति से पूर्व की स्थिति के मुकाबले तापमान वृद्धि को दो फीसदी तक ही सीमित किया जाये। लेकिन बदलते हालात व ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभावों को देखते हुए अब कहा जा रहा है कि इसे डेढ़ फीसदी तक सीमित रखा जाये। तभी हम मानव जीवन व खाद्य शृंखला को बचा पायेंगे। साथ ही निष्कर्ष यह भी है कि जिस गति से हमें इस चुनौती के मुकाबले के लिये कदम उठाने चाहिए थे, वह बहुत धीमी है, जिसके चलते जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में बड़ी कामयाबी मिलना संदिग्ध नजर आता है। ऐसे में खेती व उद्योग जगत को नयी चुनौतियों के अनुरूप ढालना होगा। उसके अनुरूप ही नीतियां तैयार करनी होंगी।

हालांकि, करीब दो साल की कोरोना महामारी की मार ने ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभाव के खिलाफ लड़ाई को कमजोर किया है क्योंकि इस संकट में पहली प्राथमिकता लोगों को महामारी से बचाने की थी। इसके बावजूद कई विकसित देशों में ऐसी फसल उगाने के लिये शोध-अनुसंधान किये जा रहे हैं, जिससे उन किस्मों का पता लगाया जा सके जो कम पानी, अतिवृष्टि और उच्च तापमान से कम प्रभावित होती हैं। निस्संदेह, क्लाइमेट चेंज के प्रभावों के चलते पूरी दुनिया में खाद्य शृंखला के टूटने का खतरा पैदा हो गया है। खाद्यान्न की पैदावार में गिरावट आ रही है, जिसके चलते जीवन रक्षा के लिये बड़े पैमाने पर पलायन का खतरा पैदा हो गया है। सही मायनों में अब इस बात पर जोर देने की जरूरत है कि बदलते मौसम के अनुरूप हम जीवन को कैसे ढालते हैं। यदि हम अब भी न जागे तो बहुत देर हो जायेगी। हाल ही के दिनों में पूरी दुनिया में अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखे, बाढ़ व तूफानों की आवृत्ति बढ़ी है, जिसके चलते बड़े आसन्न संकट की आहट महसूस की जा रही है। इसका नकारात्मक असर फसलों की पैदावार पर निश्चित रूप से पड़ेगा। ऐसे में जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने के लिये नई जीवनशैली विकसित करने की जरूरत होगी। यदि ऐसा नहीं किया गया तो हमें इसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी। सही मायनों में आईपीसीसी की हालिया रिपोर्ट हमारी आंख खोलने वाली है जो बताती है कि वक्त आ गया है कि हम ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों को कम करने के लिये इसके अनुरूप जीवन ढालने की तरफ बढ़ें।

यह समस्या का वैज्ञानिक आधार पर विश्लेषण करने की जरूरत भी बताती है। इसके साथ ही पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याओं के प्रति भी हमें गंभीर होने की जरूरत है; जिसके चलते हर साल लाखों जानें चली जाती हैं, जिसके मूल में लगातार बिगड़ते पर्यावरण की भी बड़ी भूमिका है। सीएसई की नई रिपोर्ट बताती है कि पिछले दो दशक में हवा में सूक्ष्म कणों की वजह से होने वाली मौतों की संख्या ढाई गुना हुई है जो हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। (आरएनएस)

जीत का जश्न...!

दुर्लभ प्रजाति के दो मुंहा सांप सहित 6 वन्य जीव तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वन्यजीव तस्कर गैंग का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से दुर्लभ प्रजाति का दो मुंहा सांप व तस्करी में प्रयुक्त वाहन भी बरामद किया है। बरामद सांप की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों रूपये आंकी गई है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह कोतवाली रुड़की पुलिस को सूचना मिली की कुछ लोग एक वाहन में सवार होकर दुर्लभ प्रजाति के दो मुंहा सांप की तस्करी करने वाले हैं। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को नहर पटरी सोनाली पुल के समीप एक संदिग्ध बुलेरो वाहन आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने जब वाहन को रोक कर तलाशी ली तो उसमें 6 लोग बैठे हुए दिखाई दिए। जिनके पास से पुलिस ने प्लास्टिक के कट्टे में रखा एक दुर्लभ प्रजाति का दो मुहा सांप (सैंड बूआ)बरामद किया।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बरामद सांप की कीमत तीन करोड़

इस पर उन्हें कोतवाली लाया गया जहां पूछताछ के दौरान उन्होंने अपना नाम नाजिम पुत्र युसूफ, ताहिर पुत्र शकूर, फखरुद्दीन पुत्र लियाकत अली, जावेद पुत्र जरीफ, दीपक सैनी पुत्र विशंभर व बिंदर पुत्र लक्ष्मीचंद निवासी लक्सर हरिद्वार बताया। बताया कि इस सांप को हम लोग जंगल से पकड़ कर लाए थे यह सांप जादू-टोने के काम आता है जिसे हम कलियर की तरफ ले जा रहे थे। जिसके बाद हम इसे महंगे दामों में बेच देते। पुलिस ने उन्हें उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया है। बरामद सांप की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में तीन करोड़ रुपये आंकी गई है।

गुमशुदा महिला को किया सकुशल बरामद

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। गुमशुदा महिला को पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बरामद कर उसे उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

जानकारी के अनुसार बीती तीन मार्च को कपकोट निवासी एक व्यक्ति द्वारा कपकोट थाने में तहरीर देकर बताया गया कि उनकी पुत्री अपने ससुराल गांसी से बिना बताये कहीं चली गयी है। जिसका पता नही चल पा रहा है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने गुमशुदा महिला की तलाश शुरू कर दी गयी। जिसे पुलिस ने अथक प्रयासों के बाद बीते रोज रुद्रपुर से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। परिजनों द्वारा पुलिस के कार्य की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया गया है।

जेसीबी मशीन के पार्ट चोरी करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। जेसीबी के पार्ट चोरी होने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के एक साथी को राजस्व पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जानकारी के अनुसार बीते वर्ष जून माह में प्रमोद नेगी पुत्र स्व. मातबर सिंह नेगी, ग्राम खोली, पट्टी सीतोलस्यूँ, जनपद पौड़ी गढ़वाल ने राजस्व पुलिस चौकी खौलाचौरी में तहरीर देकर बताया गया था कि 21 जून को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सड़क पर खड़ी उनकी जेसीबी के पार्ट चोरी कर लिये गये हैं। सूचना पर कार्यवाही करते हुए राजस्व पुलिस द्वारा तत्काल मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी को पूर्व में ही गिरफ्तार कर लिया गया था। चोरी के आरोप में में अन्य आरोपियों के संलिप्त होने एवं मामले की गम्भीरता को देखते हुये विवेचना राजस्व पुलिस से रेगूलर पुलिस को स्थानान्तरित हुई। जिसके फलस्वरूप रेगूलर पुलिस थाना देवप्रयाग द्वारा मामले में फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने लिए उनकी तलाश शुरू की गयी। आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने कल देर शाम एक सूचना के तहत मामले में फरार चल रहे रोहित कुमार निवासी बिजनौर को बीएल पुल कोटद्वार से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे आज न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

❑राजस्व पुलिस से रेगूलर पुलिस को स्थानान्तरित हुआ था मुकदमा

यूपी पुलिस की फर्जी आईडी लेकर घुम रहे तीन स्मैक तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। उत्तर प्रदेश पुलिस का फर्जी आईडी कार्ड लेकर घुम रहे तीन स्मैक तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान फ्लाई ओवर के नीचे टर्नर रोड पर एक होंडा सिटी कार संख्या डीएल 7 सीएफ 4619 को रूकने का इशारा किया तो कार में सवार तीन लोगों ने पुलिस कर्मियों को धमकाना शुरू कर दिया। कार में सवार एक व्यक्ति ने अपने आपको उत्तर प्रदेश का सिपाही बताते हुए अपना आई कार्ड निकाल कर पुलिस कर्मी को धमा दिया। इस दौरान उत्तराखण्ड पुलिस व कार सवार लोगों में तीखी नोंक झोक भी हुई। इसी दौरान वहां पर बाजार चौकी प्रभारी विवेक राठी पहुंचे और उन्होंने सारा मामला सुनने के बाद उक्त सिपाही के आई कार्ड की जांच की तो वह फर्जी पाया तो कार सवार वहां से भागने लगे तो पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर रोक लिया तथा तीनों को हिरासत में लेकर उनकी तलाशी ली तो उनके कब्जे से पुलिस ने 26 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। इतनी मात्रा में स्मैक मिलने पर पुलिस कर्मचारियों ने उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी दी। पूछताछ में फर्जी सिपाही ने अपना नाम धर्मेन्द्र गालियान पुत्र सुखपाल गालियान निवासी रंगाना थाना झिझांना शामली, अर्जुन चौधरी उर्फ विक्रम पुत्र देवेन्द्र चौधरी निवासी लछेडा जाट कालोनी मसुपुरा मुजफ्फरनगर व प्रभात चिकारा पुत्र राजेन्द्र सिंह चिकारा निवासी मौहल्ला सैदी मीर झिझाना शामली उत्तर प्रदेश बताया। पुलिस ने उनके कब्जे से स्मैक बेचकर कमाई गये छह हजार रूपये नगद बरामद कर लिये। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह यहां स्मैक बेचने के लिए आये थे। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में ले जेल भेज दिया।

एक नजर

बीते 24 घंटे में देश में कोरोना के 4184 नए केस सामने आए, संक्रमण से गई 104 लोगों की जान

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बीते काफी दिनों से थम गए हैं। गुरुवार १० मार्च को स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, बीते २४ घंटे में देश में कोरोना के ४,१८४ नए केस सामने आए हैं। देश में पिछले २४ घंटों में कोरोना से १०४ लोगों की मौत हो गई है। देश में इस वक्त कोरोना के सक्रिय मामले ४४,४८८ हैं। जबकि कोरोना से हुई कुल मौतों का आंकड़ा ५,१५,४५६ पहुंच चुका है। देश में वैक्सीनेशन का आंकड़ा १,७६,५३,६५,६४६ है।

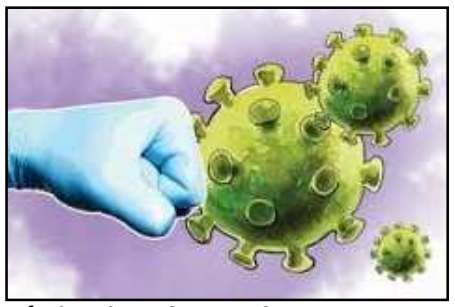

आंकड़ों के अनुसार, पिछले २४ घंटे में कोविड–१६ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में २,४७४ मामलों की कमी दर्ज की गयी है। संक्रमण की दैनिक दर ०.४८ प्रतिशत दर्ज की गयी जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर ०.५८ प्रतिशत दर्ज की गयी। इस बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर ४,२४,२०,१२० हो गई है और मृत्यु दर १.२० प्रतिशत दर्ज की गयी। देशव्यापी कोविड–१६ रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक १७६.५३ करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी है।

नाक के जरिए दिए जाने वाले कोविड टीके का दिल्ली एम्स में शुक्रवार से शुरु होगा परीक्षण

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भारत बायोटेक के नाक के जरिए दिए जाने वाले कोविड–१६ रोधी टीके की बूस्टर खुराक का परीक्षण शुक्रवार से शुरू करेगा। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि सबकुछ ठीक रहा तो जल्द ही एक और कोविड वैक्सीन उपलब्ध हो सकेगी। एम्स, नयी दिल्ली में सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के प्रोफेसर डॉ संजय राय ने बताया कि बूस्टर खुराक उन लोगों को दी जाएगी, जिन्होंने कम से कम पांच महीने पहले कोवैक्सिन या कोविशील्ड की दोनों खुराक ले ली थी। हालांकि टीका लेने की अवधि सात महीने से पहले की नहीं होनी चाहिए।

भारत द्वारा हैदराबाद की कंपनी भारत बायोटेक द्वारा कोविड–१६ के खिलाफ विकसित इंट्रानैसल वैक्सीन बीबीवी१५४ के इस्तेमाल को मंजूरी दिया जाना अभी बाकी है। इसी कंपनी ने कोवैक्सिन भी तैयार किया है, जिसे फिलहाल पूरे देश में दिया जा रहा है।

मोबाइल रिपेयर की दुकान में नौकरी करने वाले ने पंजाब के सीएम को 37 हजार वोटो से हराया

अमृतसर। पंजाब विधानसभा चुनाव के नतीजे लगभग सामने आ चुके हैं, जिनमें आम आदमी पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाती हुई दिख रही है। इस चुनाव में सबसे बड़ी बात ये रही कि कई दिग्गज उम्मीदवार चारों खाने चित हो गए। जिनमें सबसे बड़ा नाम सीएम चरणजीत सिंह चन्नी का है, जो अपनी दोनों सीटों से चुनाव हार गए। पंजाब के मुख्यमंत्री को एक मोबाइल रिपेयर की दुकान में काम करने वाले शख्स ने हराया है। दरअसल आम आदमी पार्टी के इस उम्मीदवार का नाम लाभ सिंह उगोके है, जिन्होंने चरणजीत सिंह चन्नी को ३७,५५८ वोटों के बड़े अंतर से हराया है। टिकट मिलने के बाद लाभ सिंह उगोके ने दावा किया था कि वो मुख्यमंत्री चन्नी को हराकर इतिहास रचेंगे। पंजाब की भदौर विधानसभा सीट से चरणजीत सिंह चन्नी को टक्कर देने वाले लाभ सिंह उगोके पंजाब की एक मोबाइल रिपेयर की दुकान में काम करते हैं। इतना ही नहीं उनकी माता जी एक सरकारी स्कूल में बतौर सफाई कर्मचारी काम करती हैं। वहीं पिता खेतों में मजदूरी करते हैं। यही जानकारी आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जीत के बाद दी और कहा कि, एक आम आदमी सोचता है कि वो क्या कर सकता है, लेकिन अगर चाहे तो आम आदमी कुछ भी कर सकता है। आम आदमी पार्टी के इस उम्मीदवार लाभ सिंह उगोके ने चुनावी हलफनामे में अपनी संपत्ति के तौर पर एक हीरो हॉन्डा मोटरसाइकिल का जिक्र किया है, जिसे उन्होंने करीब ८ साल पहले खरीदा था।

देवभूमि में फिर भाजपा सरकार

विशेष संवाददाता

देहरादून। विधानसभा चुनाव में लगातार दूसरी बार जीत हासिल कर भाजपा ने उत्तराखंड की राजनीति में नया इतिहास लिख दिया है। आज आए चुनाव परिणामों में भाजपा ने 70 में से 48 सीटें जीत कर सत्ता पर बने रहने का अधिकार हासिल कर लिया है। वही सत्ता में वापसी का सपना संजोए बैठी कांग्रेस को एक बार फिर तगड़ा झटका लगा है, जहां उसके मुख्य सेनानायक चुनाव हार गए वही वह 20 सीटों से नीचे ही सिमट कर रह गई। वही आम आदमी पार्टी जिसने स्वयं को तीसरे विकल्प के रूप में पेश किया था अपना खाता भी नहीं खोल सकी। वहीं बसपा का भी स्कोर शुन्य रहा।

उत्तराखंड के चुनाव जिन्हें हमेशा ही दूसरे राज्यों के चुनावों से अलग समझा जाता है और चुनाव परिणाम भी चौंकाने वाले रहते हैं ठीक वैसे ही इस बार भी इस चुनाव में सीएम पद के तीन उम्मीदवारों को हार का मुंह देखना पड़ा। पूर्व सीएम हरीश रावत जो कांग्रेस के सबसे बड़े नेता के रूप में देखे जा रहे थे तथा स्वयं को सीएम का चेहरा मानते थे चुनाव हार गए, वही सीएम पुष्कर सिंह धामी और आप का सीएम चेहरा रहे कर्नल कोठियाल को भी हार का मुंह देखना पड़ा। भाजपा से निष्कासित किए गए डॉ हरक सिंह की पुत्रवधू को कांग्रेस ने कोटद्वार से चुनाव मैदान में उतारा था वह अनुकृति रावत भी चुनाव हार गई।

●सभी दलों के सीएम प्रत्याशी चुनाव हारे
●आम आदमी पार्टी का नहीं खुला खाता
●भाजपा को 48 व कांग्रेस को 18 सीटें मिली

कांग्रेस छोड़कर एंन चुनावी दौर में भाजपा का दामन थामने वाले कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष किशोर उपाध्याय जिन्हें भाजपा ने टिहरी से चुनाव मैदान में उतारा था जीतने में सफल रहे। हालांकि उनका दिनेश धनै के साथ अंत तक कांटे का मुकाबला रहा लेकिन वह आठ सौ के करीब वोटों से जीत दर्ज करने में सफल रहे। हरिद्वार सीट से लगातार चुनाव जीतते आ रहे मदन कौशिक को इस बार कांग्रेस प्रत्याशी ने बड़ी चुनौती पेश की लेकिन मदन कौशिक ने आखिरकार इस कड़े मुकाबले में बाजी मार ली। कोटद्वार से भाजपा द्वारा चुनाव मैदान में उतारी गई रितु खंडूरी सीट बदलने के बावजूद भी जीत दर्ज करने में सफल रही और वहीं भाजपा सरकार में मंत्री रहे सुबोध उनियाल भी उतार–चढ़ाव के बीच जीत हासिल करने में सफल रहे तथा रेखा आर्य भी एक बार फिर जीत दर्ज करने में सफल रही।

पूर्व सीएम हरीश रावत को रामनगर से टिकट दिए जाने के विरोध के कारण सल्ट विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारे गए रणजीत सिंह रावत को भी इस बार हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और नेता विपक्ष रहे प्रीतम सिंह जहां चकराता सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखने में सफल रहे वहीं मसूरी विधानसभा सीट पर गणेश जोशी व राजपुर सीट पर खजान दास व रायपुर सीट पर उमेश शर्मा द्वारा अपना कब्जा बरकरार रखने में सफल रहे हैं। इस बार राज्य में भले ही तीन निर्दलीय प्रत्याशियों भी जीत दर्ज करने में सफल रहे हो लेकिन भाजपा को मिले प्रचंड बहुमत के कारण सरकार में उनकी भूमिका शुन्य हो गई है।

सरकारी जमीन बेचने पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

देहरादून (सं)। पुलिस ने सरकारी जमीन को बेचने के मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ठाकुरपुर निवासी संजय कुमार गौड ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि ईस्ट होप टाउन आरटीओ के सामने पछवादून की सरकार जमीन को कुछ लोगों द्वारा अलग–अलग फर्जी विक्रय पत्रों के द्वारा भूमि का मालिक बनकर सरकारी जमीन को लोगों को बेचकर उसको खुर्द बुर्द किया जा रहा है।

बीएसएनएल कर्मचारी बन एक लाख ठगे

देहरादून (सं)। बीएसएनएल अधिकारी बनकर खाते से एक लाख रूपये उडा दिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार स्वास्तिक विहार बद्रीपुर निवासी पृथ्वीसिंह ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके मोबाइल पर एक कॉल आयी तथा कॉल करने वाले ने अपने आपको बीएसएनएल कर्मचारी बनकर उससे केवाईसी अपडेट करने के लिए कहा गया। उसने जैसे ही केवाईसी अपडेट की तभी उसके एसबीआई व कैनरा बैंक के खातों से एक लाख 11 हजार रूपये निकल गये।

पशु क्रूरता पर तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। पशु क्रूरता के मामले में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रगति विहार निवासी रूबीना नितिन सदस्य एसपीसीए ने विकासनगर थाने में मौहम्मद फरमान साजन व क्वालिटी मदन चिनक शॉप के मालिक के खिलाफ अपनी दुकान के बाहर पशु को बेवजह बांधकर असहज रखने के आरोप में मुकदमा दर्ज करा दिया है।

चीला पावर हाउस में डूबे युवकों में से एक का शव बरामद

हमारे संवाददाता

देहरादून। सात मार्च को चीला पावर हाउस में डूबे दो युवकों में से एक का शव एसडीआरएफ द्वारा आज बरामद कर लिया गया है। जबकि दूसरे की तलाश में सर्चिंग की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीते सात मार्च की शाम एसडीआरएफ को सूचना मिली थी कि 2 युवक चीला पावर हाउस में डूब गए है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चला दिया गया। एसडीआरएफ द्वारा पिछले चार दिनों से घटनास्थल पर उक्त युवकों की गहन सर्चिंग की जा रही थी। परंतु लापता युवकों का कोई सुराग नही मिल पा रहा था। आज सुबह एक बार फिर किये गये प्रयास में एसडीआरएफ टीम द्वारा डूबे गये एक युवक प्रमोद पुत्र विनोद कुमार,निवासी नजफगढ़ का शव बरामद कर लिया गया है। जबकि दूसरे युवक पंकज पुत्र अनूप सिंह निवासी द्वारिका दिल्ली, की तलाश में सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है।

नकली सामान बेचने पर दो दुकानदारों पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने हिन्दुस्तान यूनिलीवर के नाम पर नकली सामान बेचने पर दो दुकानदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एलजीएफ लाजपत नगर दिल्ली निवासी प्रभात कुमार ने शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह हिन्दुस्तान यूनिलीवर कम्पनी का कर्मचारी है तथा उसने पल्टन बाजार मं अरविन्द गोयल व मनीष की कास्मेटिक की दुकान में उनकी कम्पनी हिन्दुस्तान यूनिलीवर के नाम पर नकली सामान बेचा जाना पाया है। पुलिस ने उसके साथ जाकर दोनों दुकानदारों के यहां देखा तो वहां पर नकली सामान बेचना पाया गया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।